११वां जीवन–विद्या राष्ट्रीय सम्मेलन

२१–२३ अक्टूबर, २००५

'सिद्ध' बोधिग्राम, देवीधार, कैम्पटी गांव (टिहरी गढ़वाल), वाया मसूरी

कार्यक्रम विवरण

२१ अक्टूबर, २००५

समय	विषय	व्यक्ति
प्रात: १०.३० से १०.४५	प्रतिभागियों का स्वागत	रणसिंह आर्य, पवन कुमार गुप्ता साधन भट्टाचार्य
प्रात: १०.४५ से ११.००	मंगल गीत	
प्रात: ११.०० से १.००	◆ लोक–शिक्षा योजना ◆ शिक्षा–संस्कार योजना ◆ ग्राम–स्वराज योजना ◆ सफलता के सूचक ◆ भविष्य के लिए लक्ष्य निर्धारण ◆ अगले एक वर्ष की कार्य योजना ◆ प्रश्नोत्तर	बाबा नागराज जी का उद्‌बोधन
दोपहर १.०० से २.००	भोजन	
दोपहर २.०० से ५.३०	विद्या से पिछले तीन–चार साल में गम्भीर रूप से जुड़े शिविरार्थियों की प्रस्तुतियां: योजनाएं एवं मूल्यांकन – तेनजिन रेनजिन (सारनाथ), टोनी सिंह (दिल्ली), अनुराधा जोशी (सिद्ध), लक्ष्मी नारायण मित्तल (सिद्ध), जितेन्द्र शर्मा (सिद्ध), जगमोहन कठैत (सिद्ध), शोभन सिंह नेगी (सिद्ध), मीता आर्य, मोना जलोटा (मुम्बई), श्रीराम (पूणे), वेंकटेश (दिल्ली), राकेश मौर्य (कानपुर), पवन (कानपुर), मुकुंद (पूणे), हरि मेनन (दिल्ली), विक्की राय (दिल्ली), अभिजीत मित्रा (आई० आई० आई० टी० हैदराबाद) हर्ष सत्य (दिल्ली), विपुल रेखी (दिल्ली), महेन्द्र (मुम्बई), विवेक चतुर्वेदी (कानपुर), अन्य	अध्यक्ष : प्रो० राजीव सांगल संयोजक : पवन कुमार गुप्ता
शाम ५.३० से ७.००	अवकाश–अनौपचारिक चर्चा	
रात्रि ७.०० से ८.००	रात्रि भोजन	
रात्रि ८.०० से ९.३०	अभियान को लेकर विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे प्रयासों का आंकलन, मूल्यांकन एवं भावी योजना प्रस्तुति : 'सिद्ध' मसूरी , कानपुर, बांदा, रायपुर, अछोटी, आंवरी, भोपाल, आई० आई० आई० टी० हैदराबाद	अध्यक्ष : संयोजक : सोमदेव त्यागी

२२ अक्टूबर, २००५

समय	विषय	व्यक्ति
प्रात: ९.०० से ९.३०	मंगल गीत	
प्रात: ९.३० से ११.३०	अध्ययन का महत्व व अध्ययन की प्रक्रिया। (एक घण्टे प्रस्तुति और एक घण्टे प्रश्नोत्तर)	बाबा नागराज जी का उद्‌बोधन
दोपहर ११.३० से १.००	अध्ययन वस्तु और विधि पर चर्चा और भागीदारी। विषय प्रवेश : रण सिंह आर्य, पवन कुमार गुप्ता, सोम देव त्यागी।	अध्यक्ष: प्रो० आर० आर० गौड़ संयोजक: डॉ० गणेश बगड़िया
दोपहर १.०० से २.००	भोजन	
दोपहर २.०० से ३.००	अध्ययन वस्तु और विधि पर चर्चा और भागीदारी। (पिछले सत्र से जारी) – प्रवीण सिंह, डॉ० संकेत ठाकुर अन्यों की प्रस्तुतियां।	अध्यक्ष: प्रो० आर० आर० गौड़ संयोजक: डॉ० गणेश बगड़िया
दोपहर ३.०० से ५.००	अभियान को लेकर विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे प्रयासों का आंकलन, मूल्यांकन एवं भावी योजना (२१–१०–०५रात्रि से जारी) मुंबई (बोध), बिजनौर, दिल्ली, झाबुआ (नायक जी और सिसोदिया जी) जबलपुर (धीरेन्द्र चतुर्वेदी), अमरकंटक, कुशीनगर, जयपुर, बिलासपुर, मेरठ (देशपाल जी), बुलन्दशहर (त्यागी जी), मुरादाबाद (सिरोही जी)।	अध्यक्ष: राजन शर्मा संयोजक: सुरेन्द्र पाठक
शाम ५.०० से ७.००	अवकाश व अनौपचारिक वार्तालाप	
रात्रि ७.०० से ८.००	रात्रि भोजन	
रात्रि ८.०० से ९.००	विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे सामूहिक प्रयासों की प्रस्तुति जारी	अध्यक्ष: समीर वाजपेयी संयोजक:

२३ अक्टूबर, २००५

प्रात: ९.०० प्रात: ९.३० से १०.३०	मंगल गीत नित्य वर्तमानता को स्पष्ट करना, अस्तित्व = सह–अस्तित्व, नित्य वर्तमान है, व्यापक वस्तु नित्य है, व्यापक वस्तु में इकाइयां सम्पृक्त है, इस 'होने' के कारण संबंध नित्य है, संबंध को नियम, न्याय, नियंत्रण, संतुलन, सत्य, धर्म के रूप में पहचाना जा सकता है। जड़ और चैतन्य एवं काल की अवधारणा तथा 'जड़' प्रकृति मे काल की अवधारणा तथा चैतन्य प्रकृति में कालप्रतीत यानि जड़ और चैतन्य के अंतर्सम्बन्ध को स्पष्ट करना। प्रश्नोत्तर।	बाबा नागराज जी का उद्‌बोधन
दोपहर ११.०० से १२.३०	परस्पर भागीदारी, सहयोग व अभियान का स्वरूप	अध्यक्ष: संयोजक: साधन भाई
दोपहर १२.३० से १.३०	निष्कर्ष, बाबा जी का आशीर्वाद और समापन	अध्यक्ष: संयोजक: